आगरा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे का निर्माण ईपीसी से कराने की तैयारी

लखनऊ में जाम की समस्या खत्म होगी कानपुर, प्रयागराज व वाराणसी जाने वालों को सुगमता

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ-आगरा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का सबसे अधिक फायदा लखनऊ, आगरा, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और गाजीपुर को होगा। प्रदेश सरकार इस काम को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) के जरिये कराने की तैयारी की है। यह एक्सप्रेसवे लखनऊ के आदमपुर, इरखरा, सकाभवई, लुहस बंथरा, सिकंदपुर, कुरैनी, भगदुमपुर, काशी जैतीखेड़ा, परवर, पश्चिम परवर, ठल्लासखेड़ा, खुजहा, बरकत नगर, किथौली और कलपहास जैसे गांवों से होकर गुजरेगा। यहां वाहनों की गति 120 किमी प्रति घंटे की होगी। वहीं लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर सफर करने वाले लोगों को अगर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पकड़ना होगा तो उन्हें लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर न चलकर लखनऊ-कानपुर (एनएच 27) यानी नीचे वाले एक्सप्रेसवे पर चलना होगा। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि इस लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण दिल्ली-एनसीआर से सीधे यूपी-बिहार, पूर्वांचल को लखनऊ-आगरा जोड़ा जा सकेगा। इस सुविधा से यातायात और सुगम होगा।

कैबिनेट के फैसले

नए एक्सप्रेसवे के किनारे टाउनशिप और औद्योगिक कारिडोर भी बनाए जा सकते हैं

वर्तमान में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जाने वाले भारी वाहन लखनऊ शहर से होकर गुजरते हैं, जिसके कारण अवध चौराहा, तेलीबाग, अर्जुनगंज, गोसाईंगंज क्षेत्रों में जाम लगता है। लिंक एक्सप्रेसवे बनने से यह समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। एक्सप्रेसवेके दोनों ओर पौधारोपण करने के साथ ही औद्योगिक विकास, नई टाउनशिप के साथ ही आर्थिक विकास को भी गति देगा। यह लिंक एक्सप्रेसवे आउटर रिंग रोड के पास से गुजरेगा। अधिकारियों के मुताबिक, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लखनऊ-प्रयागराज (एनएच 30) तथा लखनऊ-कानपुर (एनएच 27) आपस में जुड़ जाने से लखनऊ, आगरा, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर का आवागमन सुगम हो सकेगा। वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से लोग प्रदेश के किसी भी कोने में चंद घंटे में पहुंच सकेंगे। इस लिंक एक्सप्रेसवे को बनाने में 4,775.84 करोड़ का खर्च आएगा। जमीन अधिगृहण करने की प्रक्रिया और लिंक एक्सप्रेसवे बनाने में कम से कम तीन साल का समय कार्यदायी संस्था को लग सकता है।

लखनऊ के 39 गांवों की जमीन लेकर जोड़ा जाएगा एक्सप्रेसवे : आगरा एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के लिए तहसील सदर, सरोजनीनगर और मोहनलालगंज के कुल 39 गांवों की जमीनें ली जाएंगी। इसमें सदर तहसील के भलिया व जलियामऊ गांव हैं। वहीं सरोजनीनगर के 24 गांव और 13 गांव मोहनलालगंज के हैं।

यह और उप्र की अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें